त्रिकदर्शन = शैवदर्शन

आगमशास्त्र	स्पन्दशास्त्र	प्रत्यभिज्ञाशास्त्र
सिद्धा	नामक	मालिनी
शिव	शक्ति	अणु
पति	पाश	पशु
परा	अपरा	परापरा
अभेद	भेद	भेदाभेद

	तत्त्वत्रय	
तत्त्व	**विस्तार**	**संख्या**
शिव	शिव, शक्ति	**2**
विद्या	सदाशिव, ईश्वर, शुद्धविद्या	**3**
आत्मा	पुरुष, प्रकृति, माया, पांच कंचुक, महदादि पृथिव्यन्त	**31**
	कुलतत्त्वसंख्या:-	**36**

कलातीत और पंचकला :-

अनुत्तर = परमशिव	परा-पूर्ण	विश्वोत्तीर्ण
1.शान्तातीत	2 शुद्ध	शिव, शक्ति.
2.शान्ति	3 शुद्ध	सदाशिव, ईश्वर, शुद्धविद्या.
3.विद्या	7 शुद्धाशुद्ध	माया, 5 कंचुक, पुरुष.
4.प्रतिष्ठा	23 अशुद्ध	5ज्ञानेन्द्रिय, 5कर्मेन्द्रिय, 5 तन्मात्रा, 4अन्त:करण, 4 भूत(आकाशवाय्वग्निजल).
5.निवृत्ति	1 अशुद्ध	पृथिवी
कुल 5 कला	36 कुल तत्त्व	

5 **कंचुक** = काल, कला, नियति, विद्या और राग।

5 **कृत्य** = सृष्टि, स्थिति, प्रलय, अनुग्रह, तिरोधान।

4 **अन्त:करण** = अव्यक्त, महत्, अहंकार और मन।

शाम्भव = शिवस्वरूपपरामर्श:, **शाक्त** = शिवगतज्ञानक्रियाशक्तिपरामर्श, **आणव** = शिवगतक्रियामात्रपरामर्श। **शिव**= अध्यात्मभाव, **शक्ति**= अधिभूतभाव, **सदाशिव**= जगदहंभाव, **ईश्वर**=अहंभावाधिक्य,**माया** = इदंभावाधिक्य। **मलत्रयं** = मायिक, आणव, कार्मिक।

प्रमाता के 7 श्रेणि:- **सकल**=मलत्रययुक्त, **प्रलयाकल** =आणवकार्ममलद्वययुक्त, **विज्ञानाल** =विध्वंसिषु केवल आणवमलशेष:, **विद्येश्वर**= किंचिद्ध्वंसमान आणवमलशेष:, **मन्त्रेश्वर** =ध्वंसमान आणव मलशेष:, **मन्त्रमहेश्वर**= किंचिद्ध्वस्तमल, **शिव** = ध्वस्तमल।

जाग्रतशक्ति 4 प्रकार:- **क्रियावती**=क्रियाणां स्वत:कारिणी, **कलावती**=पंचकलारूपधारणेनतत्त्वशुद्धिरूपिणी, **वर्णमयी** = मातृकारूपिणी, **वेधमयी** = षट्चक्रभेदिनी।

षडध्वा :-

देश =	मूर्ति -	कला,	तत्त्व	भुवन	- अर्थ
काल =	क्रिया -	वर्ण,	पद	मन्त्र	- शब्द
		परा	सूक्ष्म	स्थूल	
		शुद्ध	शुद्धाशुद्ध	अशुद्ध	

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM